दैनिक भारतीय बस्ती

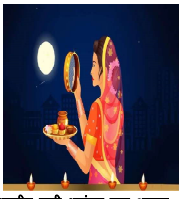

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 80 शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

बसपा सरकार बनने पर दलित, पिछड़ा विरोधी सभी कानूनों को बदल देंगे–मायावती

लखनऊ (आभा)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। वहीं, योगी सरकार की तारीफ की। लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती ने नौ साल बाद शक्ति प्रदर्शन किया। इस रैली में लाखों से संख्या में प्रदेश भर से कार्यकर्ता पहुंचे। उन्होंने मंच से कहा, प्रदेश में बसपा की सरकार बनने पर उन सभी कानूनों को बदल दिया जाएगा जो कि दलितों–पिछड़ों के खिलाफ हैं। राज्य में 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की सोच वाली सरकार बनेगी। लोगों को अपनी रोजी–रोटी के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा। इस रैली में अन्य दलों की तरह पैसे देकर लोग नहीं बुलाए गए हैं। बल्कि अपनी खून–पसीने की कमाई खर्च कर आए हैं। इस दौरान पार्टी नेता आकाश आनंद की तारीफ करते हुए कहा कि आकाश बसपा का जनाधार बढ़ाने के लिए मेरे दिशा निर्देशन में लगातार प्रयास कर रहे हैं। ये अच्छी बात है। जिसके कारण बसपा के समर्थकों का भी उन्हें पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने समर्थकों से हर परिस्थिति में आकाश आनंद का समर्थन करने की अपील की।

मायावती ने कहा, इस रैली ने यहां पर हुई पहले सभी रैलियों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे लगता है कि 2027 में यूपी में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से बसपा की सरकार बनेगी। उन्होंने वादा किया कि वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। जातिवादी दल संविधान को बदलने की कोशिश करते रहते हैं। लेकिन, हम ऐसा नहीं करने देंगे। भले ही इसके लिए कितना भी संघर्ष करना पड़े। बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जो बाबा साहेब के संविधान को सुरक्षित रख सकती है। बसपा समर्थकों को बूथ स्तर पर छोटी–छोटी सभाएं कर बसपा के यूपी में चार बार रहे शासनकाल की उपलब्धियों को बताना है।

मायावती ने कहा, यूपी में बसपा अकेले ही चुनावी मैदान में उतरेगी।रैली में अपार भीड़ रही।

दलितों, वंचितों, उपेक्षित समाज की आवाज थे कांशीराम- आर.के. आरतियन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को उनके परिनिर्वाण दिवस पर आवास विकास कालोनी में भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के संयोजन में याद किया गया।

आर.के. आरतियन ने कहा कि कांशीराम ने अपने संघर्ष से दलित वंचितों को फर्श से अर्श तक पहुंचाया। उनके विचारों पर चलकर बहुजन समाज का संकल्प साकार होगा। कहा कि कांशीराम राजनीति से अधिक दलितों के उत्थान के लिए जाने जाते थे। क्योंकि उन्होंने खुद अस्पृश्यता, जातिवाद और भेदभाव झेला था। ऐसे में दलितों को उनका हक दिलाने के लिए कांशीराम ने लड़ाई लड़ने का प्रण लिया और उसमें सफल भी रहे। उन्होंने राजनीति में खुद कभी कोई पद नहीं लिया। कहा कि वे दलितों, वंचितों, उपेक्षित समाज की आवाज थे। बामसेफ की स्थापना करके उन्होने राजनीति को नई दिशा दिया।

बहुजन मुक्ति पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष आर. के. गौतम ने अपने निजी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि कांशीराम ने अपना पूरा जीवन दलितों के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने सादगी अपनाते हुए खुद को परिवार से पूरी तरह से अलग कर लिया था। हालांकि कांशीराम को हमेशा बसपा सुप्रीमो कहा जाता था। लेकिन वास्तव में वह जमीनी कार्यकर्ता थे और हमेशा लोगों को अपने आंदोलन में जोड़ने का प्रयास करते थे।

बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंद्रिका प्रसाद, मण्डल अध्यक्ष हृदयराम गौतम, भारतीय विद्यार्थी छात्रा प्रकोष्ठ की नीलू निगम ने कहा कि कांशीराम 20वीं सदी के अंतिम दशक में वह भारतीय राष्ट्रीय राजनीति के परिदृश्य में चमकता हुआ सितारा बन गए थे। उन्होने दलित राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान बनाया था। वे राजनीति से अधिक दलितों के उत्थान के लिए जाने जाते थे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कार्यक्रम में रामसुमेर यादव, सरिता भारती, दीपक कुमार आर्य, सुनील यादव, विनय कुमार, अनिल कुमार, सत्येन्द्र सहाय के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

–कांशीराम को परिनिर्वाण दिवस पर किया नमन्: योगदान पर चर्चा

भारत में ब्रिटेन से आएंगी मिसाइलें 3884 करोड़ की डील पर मुहर

मुंबई (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत और ब्रिटेन ने 468 मिलियन डॉलर (करीब 3884 करोड़ रुपये) की एक प्रमुख रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार के तहत ब्रिटेन भारतीय सेना को हल्के वजन वाली बहुउद्देशीय मिसाइलें (लाइटवेट मल्टी–रोल मिसाइल्स) उपलब्ध कराएगा। इन मिसाइलों का निर्माण फ्रांसीसी कंपनी थेल्स द्वारा किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश सरकार ने इस समझौते को अपने रक्षा क्षेत्र और भारत के साथ गहराते सामरिक बंधनों के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया है। ये मिसाइलें उत्तरी आयरलैंड में स्थित थेल्स के प्लांट में निर्मित होंगी। ब्रिटिश अधिकारियों का कहना है कि इस सौदे से लगभग 700 ब्रिटिश नौकरियां सुरक्षित हो जाएंगी, जो फिलहाल यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने वाले इसी प्लांट से जुड़ी हैं।

वन नेशन, वन इलेक्शन से मजबूत होगा लोकतंत्र-संजय प्रताप जायसवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। गुरूवार को महेश प्रताप इण्टर कालेज रुधौली के परिसर में वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकतंत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण अवधारणा पर विस्तार से विमर्श हुआ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनता का समर्थन मिले तो यह विचार देश के लोकतंत्र को नई दिशा देने में सक्षम होगा।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में बार–बार चुनावों से न केवल विकास बाधित होता है, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक संसाधनों पर भी अत्यधिक दबाव पड़ता है। वन नेशन, वन इलेक्शन एक ऐसा कदम है जो राष्ट्र की एकता, स्थिरता और सुशासन को मजबूती प्रदान कर सकता है। यह केवल एक चुनावी व्यवस्था नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल हो सकती है। कहा कि प्रधानमंत्री की सोच देश और भारतीय लोकतंत्र के प्रति रचनात्मक और मजबूती देने वाली है। इसीलिए देश की जनता उनसे जुड़ी हुई है।

मुख्य वक्ता भूपेन्द्र सिंह राणा, विशिष्ट अतिथि प्रदीप सिंह पिंकू, जिला संयोजक सचिन सिंह ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन भारतीय लोकतंत्र को नई मजबूती देगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विवेक सिंह, अभय, राजकुमार चौधरी, जे.पी. जायसवाल, संजय चौबे, विकास शर्मा, भोला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में छात्र और विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

छठवीं पुण्यतिथि पर याद किये गये आदित्यनारायण तिवारी 'कबीर', 30 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। गुरुवार को एपीएनपीजी कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष आदित्यनारायण तिवारी 'कबीर' को उनके छठवीं पुण्यतिथि उनके पैतृक गांव कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के ऐंठीडीह में याद किया गया। कबीर आदित्यनारायण वेलफेयर फाउन्डेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने आदित्यनारायण 'कबीर' के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर चर्चा किया। इसी कड़ी में आयोजित रक्तदान शिविर में 30 लोगों ने रक्तदान किया। बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के स्वास्थ्य कर्मियों ने रक्तदान में सहयोग किया।

कबीर के भाई विवेक नारायण उर्फ तुलसी, बहन रंजना तिवारी ने कबीर के चित्र पर माल्यार्पण के बाद कहा कबीर बस्ती का भविष्य था, उसकी निर्मम हत्या के बाद जनपद और दशा कुछ और होती। वे सदैव याद किये जायेंगे।

आदित्यनारायण 'कबीर' को छठवी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विवेक नारायण तिवारी, राहुल, भावना शुक्ला, कृष्णानन्दन उपाध्याय के साथ ही बड़ी संख्या में परिजन और आस पास के ग्रामीण उपस्थित रहे।

रक्तदान करने वालों में चंचल शुक्ला, दिव्यांश, अमित उपाध्याय, बालकृष्ण वर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, वृजेश तिवारी, रोहित ओझा, गर्जन, आचार्य पाठक, राजनाथ तिवारी, विवेक तिवारी, देवेन्द्र मिश्रा, महेन्द्र तिवारी, राजभवन, विकास शुक्ला, अम्बिकेश, रंजना तिवारी, अनिल तिवारी, सुधांशु पाठक, दुर्गेश गुप्ता, शिवांग तिवारी के साथ ही कुल 30 लोग शामिल रहे। बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के विजय सिंह, मुकेश गौतम, अवधेश कुमार आदि ने रक्तदान कराने में योगदान दिया।

बिना मान्यता संचालित होने वाले बीएससी नर्सिंग कॉलेजों के जांच की मांगः मेधा ने भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। गुरुवार को मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी के संयोजन में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि जनपद में बिना आईएनसी मान्यता संचालित होने वाले –बीएससी नर्सिंग कॉलेजों की जांच कराकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ को रोका जाय।

ज्ञापन देने के बाद मेधा प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी ने कहा कि बस्ती जनपद के साथ ही उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदों में बिना आईएनसी मान्यता के बीएससी नर्सिंग कॉलेज चल रहे हैं ऐसी स्थिति में प्रशिक्षित बच्चों का भविष्य अधर में लटक रहा है। मांग किया कि समस्त बीएससी नर्सिंग कालेजों की उच्च स्तरीय जांच कराकर न्यायोचित कार्यवाही कर प्रशिक्षितों को न्याय दिलाया जाय।

राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय 'मुन्ना' रूद्र आदर्श पाण्डेय, अंशू चौरसिया, विपुल पाण्डेय, प्रमोद उपाध्याय आदि शामिल रहे।

रेडक्रास में अविश्वास प्रस्तावः मनमानी का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की बस्ती शाखा में अंदरूनी विवाद सामने आया है। कार्यकारिणी के कई सदस्यों ने चेयरमैन सहित अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इस संबंध में डीएम के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष को एक पत्र भी भेजा गया है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि वर्तमान पदाधिकारी संगठन के मूल सिद्धांतों, मानवता, निष्पक्षता, सार्वभौमिकता और सेवा भावना से भटक गए हैं। सदस्यों का कहना है कि संस्था अपने उद्देश्यों को पूरा करने में विफल हो रही है।

सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया है कि संगठन की गतिविधियों में पारदर्शिता का अभाव है और सभी निर्णय व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चेयरमैन को कई बार व्यक्तिगत रूप से और विभिन्न कार्यक्रमों में गलत कार्यों की जानकारी दी गई, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ।

कार्यकारिणी सदस्य अशोक कुमार सिंह, उमेश कुमार श्रीवास्तव, हरीश कुमार सिंह (राज्य प्रबंध समिति सदस्य), संतोष सिंह (एजीएम सदस्य), इमरान अली, राहुल श्रीवास्तव और कुलवेंद्र सिंह ने सामूहिक रूप मांग किया है कि तत्काल प्रभाव से वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर एक नई कार्यकारिणी गठित कराया जाय। उनका उद्देश्य संगठन की साख और सेवा भावना को पुनर्जीवित करना है।

रेडक्रॉस के भीतर मचे इस असंतोष से जिले के सामाजिक संगठनों में हलचल मच गई है। अब देखना होगा कि प्रदेश स्तर पर इस विवाद को लेकर क्या निर्णय लिया जाता है।

दिशा की बैठक में उठे जमीनी सवाल, पात्रों तक पहुंचे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ–राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सांसद रामप्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता व मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने मा. सांसद महोदय को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसी प्रकार जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक महादेवा दूधराम, सदर के महेन्द्रनाथ यादव, रुधौली के राजेन्द्र चौधरी, कप्तानगंज के कविन्द्र चौधरी, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, विधायक प्रतिनिधि हरैया सरोज मिश्रा, कप्तानगंज के गुलाब चन्द्र सोनकर, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, ब्लाक प्रमुख यशकान्त सिंह सहित समिति के सदस्यों को पुष्पगुच्छ दिया गया।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कअधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के हित में जो भी योजनाए है उसे किसानों को शतप्रतिशत लाभ दिया जाय। उर्वरक की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकाल को सभी अधिकारी गम्भीरता से लें और उनके द्वारा प्रस्तुत आम जनमानस से संबंधित शिकायतों का त्वरित गति से नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाय।

बैठक में भारत सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों के अन्तर्गत महात्मा गॉधी रोजगार गारण्टी योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, जलजीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान कार्ड, बेटी बचाओ–बेटी पढाओ, स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, निःशुल्क ड्रेस सहित विभिन्न योजनाओं पर गहन समीक्षा की गयी। उन्होने सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के कियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने जनपद स्तरीय अधिकारियों से कहा कि भारत सरकार व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण, लाभपरक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को अवश्य मिलें, जिससे जनपद का चौमुखी विकास हो सकें।

बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य विभाग, जलजीवन मिशन, ट्रांसफार्मर क्षमता, मुख्य मार्गो पर झाड़ियों की साफ–सफाई, जर्जर तार समस्या से अवगत कराया। विधायक सदर महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि विकास से संबंधित जो कार्ययोजना बनायी जाती है, उसमें जनप्रतिनिधियों के सुझाव भी लिए जाय तथा विद्युत की समस्या को देखते हुए आवश्यकतानुसार ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढायी जाय। विधायक कप्तानगंज कविन्द्र चौधरी ने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। उन्होने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गो के अवैध कटों को बन्द किया जाय, जिससे दुर्घटना की संभावना न्यून से न्यूनतम हो सकें। एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में पूर्व में हुए भ्रष्टाचार में पाये गये दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता रहें।

बैठक में यह भी बताया गया कि जलजीवन मिशन के अन्तर्गत खोदे गये गड्ढों की भरायी व समतलीकरण नही कराया गया है। इस पर जिलाधिकारी द्वारा समस्या से निजात दिलाये जाने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है।

बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन, सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत विजय प्रकाश वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजगंगल चौधरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, बीएसए अनूप तिवारी, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी अवधेश कुमार, पीओ इंडा सुनीता सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. ए.के. गुप्ता, डीएचओ अरूण कुमार त्रिपाठी सहित जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादियों ने किया कांशीराम को नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर गुरुवार को दलित वंचित समाज को नई दिशा देने वाले कांशीराम को उनके परिनिर्वाण दिवस पर याद किया गया। कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद वक्ताओं ने कहा कि उन्होने आर्थिक रूप से शोषित और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों का व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिये आखिरी सांस तक प्रयत्न किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि पिछड़े अल्पसंख्यक तथा दलितों में सत्ता के प्रति प्यास जगाने वाले मान्यवर कांशी राम वास्तव में बहुजन आंदोलन के महानायक थे. उनके करिश्माई राजनीतिक विचारधारा से भारतीय राजनीति में एक नए युग का उदय हुआ। समाजवाद का भी यही लक्ष्य है कि समाज से गैर बराबरी समाप्त हो। कहा कि देश कांशीराम के योगदान को सदैव याद रखेगा। उन्होने गरीब, वंचित, उपेक्षित वर्ग को राजनीतिक ताकत दिया। उन्होने बाबा साहब के सपनों को जमीनी धरातल पर साकार किया।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल' सपा नेता मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, आर.डी. निषाद, संजय गौतम, मो. सलीम, हरीश, समीर चौधरी आदि ने परिनिर्वाण दिवस पर कांशीराम के योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि कांशीराम ने आंदोलन के जरिए दलित चेतना को उभारने में सफल रहे। उन्होंने सहयोग और क्रांति को नजरअंदाज करते हुए तीसरा रास्ता अपनाया. बामसेफ का गठन कर रणनीतिक कौशल और संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन किया। भारतीय राजनीति में उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि कांशीराम ने गरीबों को सत्ता में आने का स्वप्न ही नहीं दिखाया वरन उसे साकार भी किया।

दलित चेतना के महानायक कांशीराम को परिनिर्वाण दिवस पर नमन करने वालों में मुख्य रूप से अरविन्द सोनकर, शंकर यादव, प्रशान्त यादव, दीपक आर्य, अखिलेश यादव, राहुल सिंह, रजनीश यादव, मो. युनुस आलम, नन्द बहादुर यादव, गिरीश चन्द्र, रन बहादुर यादव, अजीत सिंह, हनुमान चौधरी, नितराम चौधरी, बलवन्त यादव, राहुल सोनकर, गौरीशंकर यादव, लालमन यादव, सन्तोष वर्मा, विशाल शर्मा, अकबर अली, सुशील यादव, मदन मोहन यादव, तूफानी यादव, गीता भारती, सन्तोष यादव, विजय लक्ष्मी, संदीप यादव, वीरेन्द्र यादव, विपिन यादव, मानसिंह यादव, रामभवन यादव के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 अक्टूबर 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

अदालत के भीतर जूता फेंकने की विडम्बना

सर्वोच्च न्यायालय में एक वकील द्वारा मुख्य न्यायाधीश को निशाना बनाकर जूता फेंकने और उसे जायज ठहराने के तर्क वितर्क निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। इसे सहज रूप से खारिज नहीं किया जा सकता। किसी भी अधिवक्ता की अपनी राय हो सकती है किन्तु इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि किसी को कुछ भी कर देने की छूट दे दी जाय।

देश में इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रक्षा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वही अपनी कुंठाओं का प्रदर्शन करते हुए सारे नियम–कायदे ताक पर रख दें। सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार को प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई–लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय–प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है।

गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था।

सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गईं बातों के असर में इस तरह बेलगाम और आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है।

शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की।

हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय–प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने–समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी।

आरोपी वकील ने जिस सनातन के कथित अपमान की बात की, क्या वह उसे आक्रामकता और हिंसा का सहारा लेने का संदेश देता है? इस समूचे मामले में सोशल मीडिया की जैसी भूमिका सामने आई, वह भी बेहद चिंताजनक और बहसतलब है। विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा था कि उनकी बातों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया, लेकिन अफसोसनाक है कि उसी मनमानी से प्रभावित होकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ धारणा बना ली।आजकल सोशल मीडिया पर जिस तरह बिना कुछ सोचे–समझे किसी बात की गलत व्याख्या करने और उसके जरिए व्यापक स्तर पर धारणा बनाने का चलन देखा जा रहा है, उसके घातक नतीजे सामने आ रहे हैं। एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विचार, बहस और विवेक के उपयोग की जगह सिमटती जा रही है और आक्रामकता तथा हिंसक मनोवृत्ति का उभार देखा जा रहा है। यह स्थिति देश के लोकतंत्र और कानून के लिहाज से बेहद चिंताजनक है।

संघर्ष से नेतृत्व तक धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव

—अखिल कुमार यादव—

10 अक्टूबर का दिन भारतीय राजनीति में ऐसे नेता की पुण्यतिथि के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अपनी सादगी, संघर्ष और समर्पण से करोड़ों लोगों के दिलों में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई गाँव में 22 नवम्बर, 1939 को जन्मे मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्ष, दृढ़ता और सेवा का प्रतीक रहा। शिक्षक से लेकर तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारत के रक्षा मंत्री तक का उनका सफर यह दिखाता है कि जनता की सेवा और समर्पण से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उनके पिता सुघर सिंह चाहते थे कि उनका बेटा पहलवान बने। अखाड़े में घंटों अभ्यास ने उन्हें न केवल शारीरिक शक्ति बल्कि मानसिक दृढ़ता, साहस और निडरता दी। यही गुण उनके राजनीतिक जीवन में भी नजर आए। पहलवानी ने उन्हें चुनौतियों का सामना करने और जीवन भर धैर्य बनाए रखने की सीख दी। वर्ष 1967 में जसवंत नगर विधानसभा सीट से विधायक बनने के बाद मुलायम सिंह यादव ने राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की। उनका नजरिया हमेशा जनता के कल्याण पर केंद्रित रहा। उन्होंने दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारों और समानता के लिए आवाज उठाई। उनके लिए राजनीति केवल सत्ता हासिल करने का माध्यम नहीं थी, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और न्याय सुनिश्चित करने का माध्यम थी। 4 अक्टूबर, 1992 को उन्होंने समाजवादी पार्टी की स्थापना की। इस पार्टी का उद्देश्य समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक समानता को बढ़ावा देना था। पार्टी के माध्यम से उन्होंने उत्तर प्रदेश में राजनीतिक बदलाव लाने का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं लागू की गईं। उनके निर्णय जनता की भलाई, सामाजिक न्याय और विकास को ध्यान में रखते हुए लिए गए थे। वर्ष 1996 से 1998 तक भारत के रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने संवेदनशील और ऐतिहासिक निर्णय लिया। उन्होंने शहीद सैनिकों के शवों को उनके घर सम्मानपूर्वक भेजने की प्रक्रिया सुनिश्चित की। इससे सैनिकों के परिवारों को सम्मान और राहत मिली। यह कदम उनकी संवेदनशीलता और जनता के प्रति समर्पण का प्रतीक बन गया। इस निर्णय ने यह भी दिखाया कि सत्ता का असली उपयोग केवल पद और प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव लाने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए होना चाहिए। मुलायम सिंह यादव का जन्म सैफई गाँव में हुआ, जो उस समय एक पिछड़ा और उपेक्षित क्षेत्र था। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपने गाँव और जिले के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका मानना था कि ष्जो अपने गाँव का, अपने जिले का विकास नहीं कर सकता, वह नेता किसी काम का नहीं।' सैफई के विकास के लिए उन्होंने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। चौधरी चरण सिंह डिग्री कॉलेज की स्थापना ने उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। इसके अलावा, चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, खेल कॉलेज और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जैसी सुविधाओं ने सैफई को एक आदर्श गाँव के रूप में विकसित किया। इन पहलों ने गाँव की सामाजिक, शैक्षिक और खेल संबंधित स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाया। उनके विकास कार्यों की आलोचना भी हुई। विपक्षी दलों ने इसे 'परिवारवाद' और संसाधनों के असमान वितरण का उदाहरण बताया। इसके बावजूद, मुलायम सिंह यादव ने अपने गाँव और जिले के विकास को व्यक्तिगत जिम्मेदारी माना और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी दूरदर्शिता और लगातार प्रयासों ने सैफई को आज आदर्श गाँव और उनके नेतृत्व का प्रतीक बना दिया। मुलायम सिंह यादव का जीवन यह सिखाता है कि कठिनाइयों का सामना धैर्य, साहस और दूरदर्शिता से किया जा सकता है। उनका पहलवानी का शौक, राजनीतिक संघर्ष और समाज के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण यह दिखाता है कि नेतृत्व केवल शक्ति और पद से नहीं, बल्कि सेवा, सम्मान और मानवता से मापा जाता है। उन्होंने हमेशा आम आदमी से जुड़ाव बनाए रखा। पत्रकारों, युवा नेताओं और नागरिकों के साथ उनके अच्छे संबंध उन्हें और अधिक लोकप्रिय बनाते थे। गाँव के बच्चों के साथ उनकी मित्रता और गाँव के विकास में उनकी व्यक्तिगत रुचि ने यह साबित किया कि नेतृत्व केवल आदेश देने या योजना बनाने तक सीमित नहीं होता, बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव लाने तक फैला होता है। उन्होंने बच्चों के साथ खेल–कूद और बातचीत के जरिए उन्हें शिक्षा और पढ़ाई के महत्व के प्रति प्रेरित किया। इसी दोस्ती और जुड़ाव ने गाँव के लोगों को भी सामाजिक विकास में सक्रिय किया। उनके नेतृत्व और संवेदनशील दृष्टिकोण ने सैफई को केवल भौतिक रूप से नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक रूप से भी विकसित गाँव बनाया।

मुलायम सिंह यादव का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और मेहनत ने यह दिखाया कि एक साधारण किसान पुत्र भी बड़े बदलाव लाने और समाज में स्थायी योगदान देने में सक्षम है। उनके प्रशासनिक सुधार, समाजवादी नीतियां और गाँव विकास की पहलें आज भी लोगों के लिए प्रेरक उदाहरण हैं।

इस पुण्यतिथि पर हम केवल एक नेता को नहीं, बल्कि उस इंसान को याद करते हैं जिसने मेहनत, साहस और दया से लाखों लोगों के दिलों में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनका जीवन यह सिखाता है कि सत्ता का असली उपयोग केवल पद और प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि लोगों और समाज की भलाई के लिए होना चाहिए। उनके प्रयास, उनके संघर्ष, उनका संवेदनशील नेतृत्व और उनकी दूरदर्शिता हमेशा समाज में प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

सरकारी धन से चुनावी रेवड़ियां क्यों...?

—विश्वनाथ सचदेव—

राजनीतिक नैतिकता का तकाजा है की राजनीति की यह घटिया संस्कृति समाप्त हो, पर राजनीतिक आवश्यकता इस नैतिकता को कहीं पीछे छोड़ देती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। फिर हमारे नेता तो यह भी जानते हैं कि चुनाव की आदर्श आचार संहिता का मजाक कैसे उड़ाया जा सकता है, बिहार में चुनावों की तारीख की घोषणा के ठीक पहले मेट्रो लाइन के उद्घाटन का लालच मुख्यमंत्री छोड़ नहीं पाये।

चुनावी समय में सरकारों द्वारा नकद या मुफ्त सुविधाएं देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति 'रेवड़ी संस्कृति' बन गई है, जो लोकतंत्र, वित्तीय अनुशासन और राजनीतिक नैतिकता को कमजोर करती है। बिहार में चुनावों की तारीखें घोषित होने के साथ ही 'राजनीतिक रिश्वतखोरी' की बातें चलने लगी हैं। राजनीतिक रिश्वतखोरी यानी मतदाता को रेवड़िया बांटकर उन्हें अपने पक्ष में वोट देने के लिए लुभाना। कहा यह भी जा रहा है कि चलो अब कुछ दिन रेवड़ियां बांटने की घोषणाओं से तो पीछा छूटेगा। यहां रेवड़ियों का मतलब वह 'मुफ्त की सेवाएं' हैं जिनका लालच देकर राजनेता मतदाता को बरगलाते हैं। पहले बिजली–पानी जैसी जीवनोपयोगी चीजें मतदाता को दी जाती थीं, देने का वादा किया जाता था, और अब तो यह नकद पैसा बांटा जा रहा है। बिहार सरकार ने कुछ ही दिन पहले एक करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में दस हजार रुपये जमा करवा कर इस रेवड़ी संस्कृति को एक नया आयाम दे दिया है। एक करोड़ महिलाओं का मतलब एक करोड़ परिवारों तक पहुंचना है। महिलाओं के सशक्तीकरण के नाम पर यह सीधी रिश्वत है।

सवाल यह पूछा जा रहा है कि किसी सरकार द्वारा इस तरह की नकद राशि बांटना क्या सरकार के पैसों से चुनाव जीतना नहीं है? यदि ऐसा है तो फिर इसे अपराध की श्रेणी में क्यों न रखा जाये, और यदि यह अपराध है तो फिर इसकी कोई सजा तय क्यों नहीं होनी चाहिए? पूछा तो यह भी गया है कि सरकार द्वारा मुफ्त राशन बांटना भी क्या एक तरह से रेवड़ी बांटना नहीं है? आश्वासन वाली राजनीति कोई नयी चीज नहीं है। और ऊपरी तौर पर देखें तो यह उतनी गलत भी नहीं लगती। आखिर जनता के हित की बात सोचना सरकार का काम है, और जनता को वित्तीय सहायता देकर जनता की सहायता ही तो की जाती है। पर सवाल उठता है कि जनता की यह 'मदद' सरकारों और राजनीतिक दलों को चुनावों से पहले ही याद क्यों आती है? सवाल यह भी उठाना चाहिए कि राजनीति में 'तोहफे' बांटने की यह परंपरा अपराध की श्रेणी में क्यों नहीं आनी चाहिए?

चुनाव से कुछ अरसा पहले, या वैसे भी, हमारी सरकारें जनता की मदद की घोषणाएं शुरू कर देती हैं और मीडिया में इसे मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के तोहफे के रूप में प्रचारित किया जाता है। कुछ ही साल पहले चुनाव–प्रचार के दौरान स्वयं प्रधानमंत्री ने बिहार में खुले आम तोहफों की बोली लगायी थी। एक चुनाव–सभा में उन्होंने कुछ ऐसा कहा था, 'कितने दूं, दस करोड़?, सौ करोड़?, हजार करोड़? या लाख करोड़?' उनकी घोषणा पर श्रोताओं ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया था, निश्चित रूप से इस तोहफे का कुछ असर चुनाव परिणाम पर भी पड़ा होगा। पर चुनावी लाभ के लिए जनता के पैसों के तोहफे इस तरह बांटने की घोषणा क्या विद्रूप पहल नहीं मानी जानी चाहिए? सच तो यह है कि इसे तोहफा या उपहार कहना ही गलत है। यह अनुचित आर्थिक लेन–देन ही हैदृ और रिश्वत देना या लेना दोनों अपराध हैं। इस अपराध की सजा क्यों तय नहीं होती? इस सवाल का सीधा–सा जवाब यह है कि यह अपराध सबकी मिली–भगत से हो रहा है। राजनेताओं को, सरकारों को, राजनीतिक दलों को रेवड़ियां बांटने, या कहना चाहिए रिश्वत देकर अपना काम निकालने का यह एक आसान तरीका लगता है। ऐसे में पारस्परिक लाभ के इस सौदे में भला किसी को कुछ गलत क्यों लगेगा?

पर यह गलत परंपरा है जन–कल्याण की योजनाएं बनाना, उन्हें ईमानदारी के साथ क्रियान्वित करना सरकारों का काम है। पर यह काम चुनावों से ठीक पहले ही क्यों? एक करोड़ महिलाओं को बिहार की नीतीश सरकार द्वारा दस हजार रुपये देने और विपक्ष द्वारा पच्चीस सौ रुपये प्रति माह देने का वादा करने में कोई विशेष अंतर नहीं है। कहा जा सकता है कि इस तरह की घोषणाएं वर्तमान या भावी सरकार की रीति–नीति बताती हैं, पर बताने की यह आवश्यकता चुनावों के समय पर ही किसी को याद क्यों आती है?

ऐसा नहीं है कि इस तरह के सवाल पहले कभी उठे नहीं हैं। उठते रहे हैं ये सवाल, पर राजनीतिक नफा–नुकसान का गणित इन सवालों को उठाने वाली नैतिकता पर अक्सर हावी हो जाता है। कभी महिला मतदाताओं को साड़ियां बांटकर तमिलनाडु की जयललिता ने वोट के लिए रिश्वत की इस परंपरा की शुरुआत की थी। द्रमुक के ही करुणानिधि ने दो रुपये किलो चावल बांटकर इस शुरुआत को चुनाव जीतने की एक कला के रूप में विकसित किया। फिर तो जैसे देश के अलग–अलग हिस्सों में इस कला को निखारने की एक प्रतिस्पर्धा ही चल पड़ी। ऐसा भी नहीं है कि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरत की ओर किसी का ध्यान न गया हो। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने इस 'रेवड़ी संस्कृति' को मुद्दा बनाया था। पर जल्दी ही उन्हें यह अहसास हो गया कि यह संस्कृति तो स्वयं उनके लिए भी लाभदायक है और वे भी लाभ लुटाकर लाभ कमाने की इस प्रतिस्पर्धा में शामिल हो गये।

अब तो हमारे राजनीतिक दल यह सोचना भी नहीं चाहते कि इस प्रतियोगिता में राज्यों का बजट घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है, यह घाटा खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है। यही सब देखते हुए यह मांग भी उठी थी कि मुफ्त संस्कृति वाली इस राजनीति के वित्तीय अनुशासन के बारे में भी कुछ नियम–कायदे बनने चाहिए। कहा यह भी गया कि चुनाव घोषणापत्रों में ऐसी युक्तियों–योजनाओं के साथ उन पर होने वाले व्यय का ब्योरा भी दिया जाना चाहिए, यह भी बताया जाना चाहिए कि इन योजनाओं पर होने वाले खर्च की व्यवस्था कैसे होगी। इस संदर्भ में रसोई घर की मुफ्त सिलेंडर वाली योजना के हश्र की बात भुलाई नहीं जानी चाहिए। इस बात का भी लेखा–जोखा होना चाहिए कि मुफ्त सिलेंडर कैसे मिलेंगे और कैसे मिलते रह सकेंगे। पर ऐसा कुछ हुआ नहीं। होता दिख भी नहीं रहा।

यहां यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि उच्चतम न्यायालय ने भी इस संदर्भ में हस्तक्षेप किया था। न्यायालय ने तो यह भी कहा था कि राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों में ऐसी योजनाओं की घोषणा को किसी तरह की कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। पर, जो होना चाहिए, और जो हो रहा है, हमारी राजनीति में उसमें बहुत अंतर है। यह अंतर कब और कैसे पटेगा, पता नहीं। लेकिन यह तय है कि हमारे राजनेता इस बारे में लगातार सक्रिय हैं कि यह अंतर मिटाने की बात ही न हो। वे मानते हैं कि जनता की यादाश्त बहुत कमजोर होती है। इसलिए, राजनीति की रेवड़ी संस्कृति के बारे में कभी–कभार बात तो कर ली जाती है, पर इस संस्कृति के खतरों से बचने की आवश्यकता किसी को महसूस नहीं होती।

राजनीतिक नैतिकता का तकाजा है की राजनीति की यह घटिया संस्कृति समाप्त हो, पर राजनीतिक आवश्यकता इस नैतिकता को कहीं पीछे छोड़ देती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। फिर हमारे नेता तो यह भी जानते हैं कि चुनाव की आदर्श आचार संहिता का मजाक कैसे उड़ाया जा सकता है, बिहार में चुनावों की तारीख की घोषणा के ठीक पहले मेट्रो लाइन के उद्घाटन का लालच मुख्यमंत्री छोड़ नहीं पाये। सुना है, यह लाइन अभी पूरी तरह तैयार भी नहीं है! स्पष्ट है, राजनीतिक स्वार्थ किसी भी अनुशासन को स्वीकार नहीं करते।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

शिक्षकों की बाट जोहते स्कूल

—दीपिका अरोरा—

ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पर्याप्त शिक्षक सहयोग के बिना छात्रों से अन्य गतिविधियों में भाग लेने की अपेक्षा घटती है, वास्तव में जो उनके सर्वांगीण विकास में काफी हद तक सहायक बन सकती थीं। शिक्षा ग्रहण करना भारत के हर बच्चे का अधिकार है किंतु सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की अपर्याप्त संख्या देशभर के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। इसी समाचार–पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के तहत, हरियाणा के सरकारी प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। सर्वाधिक चिंतनीय अवस्था नूंह जिले की है, जहां 901 विद्यालयों में 3,425 शिक्षकों के पद रिक्त पाए गए। विधानसभा के हालिया मानसून सत्र में सरकार ने भी प्रदेश के 14,295 विद्यालयों में 12,000 से अधिक शिक्षक पद रिक्त होने की बात स्वीकारी।

समूचे तौर पर सरकारी शैक्षणिक व्यवस्था का संज्ञान लें तो भारत के हर राज्य में कमोबेश यही स्थिति है। दिसंबर, 2023 में, केंद्र सरकार ने प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर क्रमशः 7,22,413 तथा 1,24,262 अध्यापकों की कमी बताई थी। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों शिक्षक–पद खाली हैं। गहनतापूर्वक विचारें तो यह अभाव मात्र एक संख्या न होकर समूची शिक्षा व्यवस्था कमजोर करने वाला संकट है। गुणवत्तापूर्वक शिक्षा में सामाजिक, भावनात्मक तथा शारीरिक विकास के साथ–साथ शैक्षणिक उपलब्धि भी शामिल होती है। पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में जहां व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने में कठिनाई आती है, वहीं छात्र समग्र विकास के अवसरों जैसे पाठ्येत्तर गतिविधियों, मार्गदर्शन आदि से वंचित रह जाते हैं। स्पष्ट शब्दों में, शिक्षकों की कमी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में एक बड़ी बाधा है, जिसके सीखने के परिणामों, समानता तथा समग्र छात्र विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पर्याप्त शिक्षक सहयोग के बिना छात्रों से अन्य गतिविधियों में भाग लेने की अपेक्षा घटती है, वास्तव में जो उनके सर्वांगीण विकास में काफी हद तक सहायक बन सकती थीं। शिक्षा ग्रहण करना भारत के हर बच्चे का अधिकार है किंतु सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की अपर्याप्त संख्या देशभर के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। इसी समाचार–पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के तहत, हरियाणा के सरकारी प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। सर्वाधिक चिंतनीय अवस्था नूंह जिले की है, जहां 901 विद्यालयों में 3,425 शिक्षकों के पद रिक्त पाए गए। विधानसभा के हालिया मानसून सत्र में सरकार ने भी प्रदेश के 14,295 विद्यालयों में 12,000 से अधिक शिक्षक पद रिक्त होने की बात स्वीकारी।

समूचे तौर पर सरकारी शैक्षणिक व्यवस्था का संज्ञान लें तो भारत के हर राज्य में कमोबेश यही स्थिति है। दिसंबर, 2023 में, केंद्र सरकार ने प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर क्रमशः 7,22,413 तथा 1,24,262 अध्यापकों की कमी बताई थी। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों शिक्षक–पद खाली हैं। गहनतापूर्वक विचारें तो यह अभाव मात्र एक संख्या न होकर समूची शिक्षा व्यवस्था कमजोर करने वाला संकट है। गुणवत्तापूर्वक शिक्षा में सामाजिक, भावनात्मक तथा शारीरिक विकास के साथ–साथ शैक्षणिक उपलब्धि भी शामिल होती है। पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में जहां व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने में कठिनाई आती है, वहीं छात्र समग्र विकास के अवसरों जैसे पाठ्येत्तर गतिविधियों, मार्गदर्शन आदि से वंचित रह जाते हैं। स्पष्ट शब्दों में, शिक्षकों की कमी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में एक बड़ी बाधा है, जिसके

दरअसल, शिक्षकों की कमी का जीडीपी प्रतिशत के रूप में शिक्षा के निवेश से गहरा संबंध है। भारत में शिक्षा पर होने वाला सरकारी व्यय जीडीपी के 3–4 प्रतिशत के आस–पास है, जोकि एनईपी 2020 की 6 प्रतिशत आवंटन की सिफारिश तथा वैश्विक औसत से कहीं कम है।

मेडिकल कॉलेज के आउटसोर्सिंग कर्मी मानदेय नहीं मिलने से नाराज, हड़ताल से कामकाज ठप

संवाददाता–देवरिया। महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया के आउटसोर्सिंग कर्मी गुरुवार की सुबह हड़ताल पर उतर गए। कर्मचारियों की अचानक हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गईं। संविदा कर्मियों की हड़ताल के चलते मेडिकल कॉलेज में काम का ठप हो गया और अफरा–तफरी मच गई। मौके पर पहुंचकर प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर श्वेता सिंह और सीएमएस डॉक्टर एचके मिश्रा ने उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं मानी।

बताया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज के आउटसोर्सिंग कर्मियों को पिछले चार माह से मानदेय नहीं मिला है। नाराज आउटसोर्सिंग कर्मियों ने गुरुवार की सुबह 8:00 बजे से कामकाज ठप कर दिया। इसके चलते पैथोलॉजी, ओपीडी, रजिस्ट्रेशन काउंटर समेत सभी जगह काम पूरी तरह से ठप हो गया। नाराज आउटसोर्सिंग कर्मी अपना मानदेय नहीं मिलने को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था कि मानदेय नहीं मिलने से उन्हें अपना खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

गौरतलब हो कि पहले भी उन्होंने कई बार अपनी मांगों को प्राचार्य के सामने रखा लेकिन किसी ने उनकी एक नहीं सुनी। ऐसे में मजबूर होकर उन्हें कामकाज ठप करना पड़ा। आक्रोशित संविदा कर्मियों को सीएमएस डॉक्टर एच के मिश्रा ने समझाने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने उनकी एक नहीं सुनी। बाद में प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्वेता सिंह ने पहुंचकर भी उन्हें समझाया लेकिन वह नहीं माने। हड़ताल के चलते मेडिकल कॉलेज में कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। आंदोलन को देखते हुए मेडिकल कॉलेज में पुलिस फोर्स भी बुला ली गई है।

तालाब में मिला किसान का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र में एक तालाब में 51 वर्षीय उदय राज का शव आज मिला है। दरअसल उदय राज बीते बुधवार को अपने मवेशी को नहलाने के लिए घर से तालाब पर गए थे, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटे थे। परिवार उनकी तलाश कर रहा था। जानकारी के अनुसार, हरदत्त नगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के उल्लहव निवासी उदय राज पुत्र राजा राम बीते बुधवार को दोपहर करीब 1 बजे अपनी मवेशी को नहलाने घर से तालाब पर गए थे। कुछ देर बाद मवेशी तो घर लौट आया, लेकिन उदय राज नहीं लौटे। इसके बाद से ही परिवार के सदस्य अन्य लोगों की मदद से उनकी तलाश कर रहे थे।

वहीं तालाब के पास से गुजर रहे लोगों ने पानी में एक शव उतराता देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। शव की पहचान उदय राज के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि उदय राज मिक्षावृत्ति कर अपना और अपने परिवार का पालन–पोषण करते थे। वह पिछले करीब चार वर्षों से लालपुर में रह रहे थे। उनके पांच बेटे और दो बेटियां हैं, जिनमें से तीन बेटों की शादी हो चुकी है और जबकि अभी एक बेटी की शादी भी नहीं हुई है। परिवार का पालन पोषण करने की जिम्मेदारी उदयराज के कंधे पर थी जिसके जाने के बाद परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों में इस घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है। स्थानीय निवासी ओमप्रकाश वर्मा ने बताया कि उदय राज की तालाब में मवेशी नहलाने के दौरान डूबने से मौत हुई है।

घर के सामने बैठे लोगों को कार ने रौंदा, बुजुर्ग महिला की मौत, 3 घायल, एक की हालत गंभीर, चालक गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। गुरुवार को भीषण हादसा हो गया। ये हादसा उस समय हुआ जब वृद्धा समेत एक ही परिवार के चार लोग घर के दरवाजे पर बैठे बातें कर रहे थे। इस दौरान एक बेकाबू कार ने उन्हें रौंदते हुए दीवार से टकराकर पलट गई। हादसे में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। इकौना थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव निवासी सुग्रीव गोस्वामी (54) पुत्र बाबूराम गोस्वामी उनकी मां सुदरपता (72), भतीजे रमेश गोस्वामी (21) पुत्र विजय व उमेश कुमार (18) पुत्र वंश गोस्वामी गुरुवार सुबह घर के दरवाजे पर बैठे बाते कर रहे थे। इस दौरान इकौना से वीरपुर की ओर तेज रफ्तार से जा रही टाटा ईवी कार मौके पर पहुंचते ही बेकाबू हो गई और दरवाजे पर बैठे लोगों को रौंदते हुए दीवार से टकराकर पलट गई। हादसे दरवाजे पर बैठे सुग्रीव, वृद्धा सुन्दरपता, रमेश

व उमेश समेत चारो लोग घायल हो गए। आनन फानन में सभी घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने घायल सुन्दरपता को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल सुग्रीव की हालत गंभीर देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भिजवा रेफर कर दिया गया। जबकि रमेश व उमेश को कम चोट आने पर उन्हें सीएचसी में ही भर्ती कर लिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश पांडेय, कस्बा प्रभारी विशाल यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया। उमेश के भाई राजेश ने पुलिस को तहरीर देकर चालक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

पीसीएस परीक्षा को लेकर सेंटर पर पहुंचे डीएम–एसपी, तैयारियां देखी

संवाददाता–महराजगंज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की यूपी पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए डीएम संतोष कुमार शर्मा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने शहर के जीएसवीएस परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर तैयारियों को परखा। निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्र की सभी तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। इसमें परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, बैठने की उचित दूरी, सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता, सुरक्षा व्यवस्था, बायोमैट्रिक सत्यापन और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर फोकस किया गया। पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, और स्वच्छता को लेकर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने केंद्र प्रशासक को निर्देश दिया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो। सभी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, ताकि अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया कि परीक्षा केंद्र के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कहा कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा। निरीक्षण में जिम्मेदारों से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि परीक्षा प्रक्रिया सुगम, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि अभ्यर्थियों को एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके।

मंगलदेव हत्याकांडः कुर्मी महाकुंभ ने परिवार को दिए 25 हजार

संवाददाता–गोण्डा। इटियाथोक थाना क्षेत्र के भवानीपुर खुर्द के बंधु पुरवा गांव में 14 वर्षीय मंगलदेव की हत्या के बाद, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। 5.30 बजे कुर्मी महाकुंभ के संयोजक अरुण वर्मा और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य जयकरण वर्मा ने बंधु पुरवा गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की है। इस दौरान पीड़ित परिवार को 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। संगठनों ने परिवार को आगे भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य जयकरण वर्मा ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक मदद, एक सरकारी नौकरी और अन्य सहायता प्रदान करने की मांग की।

जय करण वर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति

पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक पिछड़े समाज के लड़के की हत्या की गई है, जो सामंतवादी विचारधारा का परिणाम है। उन्होंने बताया कि मंगलदेव की परिवार का एकमात्र सहारा था, जो कम उम्र में भी मेहनत करके परिवार का भरण–पोषण कर रहा था। कुर्मी महाकुंभ के संयोजक अरुण वर्मा ने मंगलदेव वर्मा की हत्या को श्अत्यंत निंदनीयश बताया। उन्होंने कहा कि उनका समाज पीड़ित परिवार के साथ हमेशा खड़ा रहेगा और भविष्य में भी आर्थिक मदद जारी रखेगा। वर्मा ने सरकार से पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और मुकदमे को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग की।

वहीं समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय महासचिव प्रतिभा सिंह ने भी पीड़ित परिवार से पहुंचकर मुलाकात की है और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया है।प्रतिभा सिंह ने कहा कि आज इस सरकार में कोई सुरक्षित नहीं है हत्या,लूट डकैती सब बढ़ रहा है। परिवार की मदद खुद प्रदेश सरकार को करनी चाहिए क्योंकि यह बहुत ही गरीब परिवार है इसके पास खुद का मकान नहीं है।

सशक्तीकरण को सड़क पर दौड़ी आधी आबादी

संवाददाता–देवरिया। मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत गुरुवार को आधी आबादी सड़क पर दौड़ी। पुलिस लाइन से आयोजित सशक्तीकरण के लिए दौड़ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं के साथ ही महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हुई। छात्राओं ने अन्य महिलाओं को भी महिला सशक्तीकरण को लेकर जागरूक किया। पुलिस लाइन से सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी, सीओ दीपशिखा वर्मा, बिनी सिंह ने संयुक्त रूप से दौड़ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह दौड़ शहर के पुलिस लाइन रोड, स्टेडियम रोड, सिविल लाइन रोड, कोतवाली रोड, मालवीय रोड, गोरखपुर रोड में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं में आत्मरक्षा एवं उनको शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने, क्षमतावान बनने, समाज में महिलाओं व बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा व सशक्तीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का रहा। इस दौरान छात्राओं ने महिलाओं को यूपी 112, हेल्प लाइन–181, वुमेन पावर लाइन–1090, चाइल्ड हेल्प लाइन–1098, सी0एम0 हेल्पलाइन–1076, वन स्टॉप सेन्टर–181, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन–102, एंबुलेंस सेवा–108 के बारे में जानकारी दी। इस दौरान राजकीय इंटर कालेज, सेंट्रल एकेडमी एसएसबीएल इंटर कालेज की छात्राओं के साथ ही महिला थानाध्यक्ष कुमुद सिंह, निशा रावत, पूनम यादव, मंजू यादव, आकांक्षा यादव, कोमल पांडेय मौजूद रहीं।

पुण्यतिथि पर नमन किए गए, विश्वकर्मा आश्रम के संस्थापक कपिल देवदास

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। रामनगरी के कटरा मोहल्ला स्थित सुप्रसिद्ध पीठ ठाकुर रामजानकी श्रीपांचाल विश्वकर्मा सेवा आश्रम के संस्थापक कपिलदेव दास महाराज की तृतीय पुण्यतिथि श्री पांचाल विश्वकर्मा सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष आश्रम के वर्तमान पीठाधिपति महंत महेश दास के संयोजन में मनाई गई। आश्रम में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के संतों महंतों ने श्री महाराज जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अयोध्या में सभी समाज के मंदिर हैं और बिना किसी भेदभाव के सब लोग राम जी की सेवा करते हैं कपिलदेव दास महाराज निरंतर भजन करते थे और संतों की सेवा करते रहते थे उन्हीं के पदचिन्हों उनके उत्तराधिकारी महंत महेश दास चल रहे हैं और निरंतर सेवा कर रहे हैं। महंत महेश दास महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से आश्रम का निरंतर विकास हो रहा है ठाकुर जी की सेवा विश्वकर्मा भगवान की सेवा निरंतर हो रही है संतों की सेवा विद्यार्थी सेवा भी मंदिर में सुचार रूप से चल रही है और आने वाले वर्षों में सेवा प्रकल्प का और विस्तार दिया जाएगा।इस अवसर पर सीतাকांत सदन के महंत रामानुज शरण ब्रह्मचारी, सरयूकुंज के पीठाधीश्वर महंत राममिलन शरण, रामकृष्ण मंदिर के श्रीमहंत गणेशानंद दास, मौर्या मंदिर के महंत सनत कुमार दास, जायसवाल मंदिर महंत श्यामसुंदर दास, महंत सीताराम दास, मंत्र सत्येंद्र दास वेदांती,गोविंद आश्रम के महंत वीरेंद्र दास, रामायणी रामशंकर दास,विहिप प्रवक्ता शरद शर्मा, रवि नागा, पुजारी सूरत दास शर्मा, डॉ अनिल सिंह, रमेश पांचाल उर्फ हरि ओम उज्जैन, कमलेश पांचाल उज्जैन, राम प्रसाद पांचाल इंदौर, राम जी पांचाल इंदौर, धन्यजय महामुनि अहिल्या नगर महाराष्ट्र, संजय महामुनि सम्भा जी नगर महाराष्ट्र, अरविन्द विश्वकर्मा लखनऊ कैलाश पांचाल राऊ इंदौर के अलावा अन्य ट्रस्टी गण संत महंत मौजूद रहे। सभी का स्वागत महंत महेश दास महाराज ने किया।

अयोध्या से सरयू का पवित्र जल लेकर सैफई के लिए रवाना हुये समाजवादी

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि के एक दिन पूर्व गुरुवार को अयोध्या से मां सरयू का पवित्र जल लेकर समाजवादी नेता सैफई के लिए रवाना हुए।करतालिया आश्रम के पीठाधीश्वर महंत बाल योगी रामदास महाराज ने मां सरयू के तट पर वैदिक मंत्रोचार के बीच पूजन कर पवित्र जल को समाजवादी झंडा दिखाकर रवाना किया। यह जल शुक्रवार सुबह सैफई स्थित नेताजी के समाधि स्थल पर पहुंचकर अभिषेक में उपयोग होगा।जल लेकर रवाना होने वालों में पहलवान सूर्य प्रकाश यादव, राम अजोर यादव, वीरेंद्र गौतम, बृजेंद्र सिंह चौहान, जयप्रकाश यादव और आदर्श प्रकाश यादव शामिल रहे। सभी ने पहले मां सरयू में स्नान कर पूजन किया, इसके बाद जल को रवाना किया गया।महंत रामदास महाराज ने कहा कि नेताजी ने अयोध्या के लिए अनेक कार्य किए, आज भी अयोध्या के लोग उन्हें याद करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में समाजवादी सरकार बनेगी और अयोध्या का पुनः नवीन विकास होगा।

पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि समाजवादी पार्टी की स्थापना मुलायम सिंह यादव ने की थी। उनके सपनों को साकार करते हुए अखिलेश यादव ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 37 सीटें जीतकर सपा को देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाया। अब 2027 में नेताजी के आशीर्वाद से पुनः समाजवादी सरकार बनेगी और उनके अधूरे सपने पूरे किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि यह जल अयोध्या की 18 करोड़ जनता की ओर से नेताजी को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित किया जा रहा है।महानगर उपाध्यक्ष श्रीचंद्र यादव ने बताया कि मां सरयू का पवित्र जल हर वर्ष नेताजी की पुण्यतिथि पर सैफई भेजा जाता है। इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्ति के साथ यह परंपरा निभाई जा रही है।

हनुमानगढ़ी के महंत मुनिशम दास ने कहा कि समाजवादी सरकार ही सच्चे अर्थों में विकास करती है। 2027 में सपा की विजय के बाद अयोध्या का नवनिर्माण किया जाएगा।इस अवसर पर पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव, समाजवादी जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वदेशी मेला पहले ही दिन फीका साबित हुआ

संवाददाता–बलरामपुर। बड़े परेड ग्राउंड में आज से शुरू होने वाला स्वदेशी मेला पहले ही दिन दर्शकों और खरीददारों की कमी के चलते फीका नजर आया। 9 से 18 अक्टूबर तक आयोजित इस मेले का शुभारंभ सुबह होना था, लेकिन इसे शाम तक स्थगित कर दिया गया। शाम 4:45 बजे तक भी कार्यक्रम औपचारिक रूप से शुरू नहीं हो सका।

जिला प्रशासन ने मेले को दीपावली के बाजार को गति देने और स्थानीय व स्वदेशी उत्पादों को बड़ा मंच देने के उद्देश्य से बड़े जोरशोर से तैयार किया था। बावजूद इसके पहले ही दिन न तो दर्शकों की भीड़ जुटी, न ही स्टॉलों पर खरीददार नजर आए। अधिकांश स्टॉल खाली पड़ी रहीं और कार्यक्रम स्थल पर रखी कुर्सियां पर सन्नाटा पसरा रहा। उद्घाटन को लेकर स्पष्ट सूचना न मिलने के कारण आम लोग भी असमंजस में रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कोई प्रस्तुति भी निर्धारित समय तक नहीं हो सकी, जिससे बच्चों और अन्य दर्शकों में मायूसी छा गई। स्थानीय उत्पादकों और हस्तशिल्पियों की अपेक्षाएं इस मेले से काफी थीं, लेकिन पहले दिन की स्थिति ने उन्हें निराश किया। एक स्टॉल संचालक ने कहा, ष्हमने सोचा था कि पहले दिन अच्छी भीड़ होगी, लेकिन अभी तक एक भी ग्राहक नहीं आया जिला प्रशासन ने मेले को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर भव्य रूप देने की योजना बनाई थी, लेकिन वर्तमान हालात तैयारियों में खामियों की ओर इशारा कर रहे हैं।

वायरल बुखार के तेजी से बढ़ रहे मरीज

संवाददाता–गोण्डा। जिले में वायरल बुखार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है प्रतिदिन 100 से अधिक नए मरीज सामने आ रहे हैं जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को और एक्टिव किया गया है। जिले के गोंडा मेडिकल कॉलेज सहित सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों की जांच करके उनका इलाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के बाद दवाएं वितरित की जा रही हैं और मरीजों को सलाह भी दी जा रही है। मेडिकल कॉलेज में मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है ओपीडी से लेकर पर्चा काउंटर और दवा वितरण कक्ष तक लंबी कतारें लगी हुई हैं। जिससे मरीजों को डॉक्टरों को दिखाने और दवा लेने में समय लग रहा है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि वर्मा ने बताया कि वायरल बुखार के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है। उन्होंने मरीजों को दवाएं लेने और घर पर रहकर इलाज कराने की सलाह दी। डॉ. वर्मा ने लोगों से अपील की है कि यदि उन्हें बार–बार बुखार आ रहा है, तो वे तुरंत अपने नजदीकी अस्पताल में जाकर जांच कराएं और उचित दवाएं लें। विभाग द्वारा वायरल बुखार से बचाव के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। सामान्य दिनों की अगर बात करें तो 10–15 मरीज प्रतिदिन बुखार के मिल रहे थे लेकिन अब मौसम के बदलाव होने से मरीजों की संख्या बढ़ी है और अब सबसे अधिक मरीज प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। क्योंकि धीरे–धीरे मौसम ठंडी की तरफ बढ़ने की कगार पर है तो ऐसे में इन महीना में वायरल बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। क्योंकि लोग छतों पर जाकर के सोने लगते हैं और इससे पहले उन्हें बुखार आता है और फिर उसके बाद उन्हें दिक्कतें होने लगती है। मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉक्टर रमेश पांडेय बताते हैं कि वायरल बुखार के मुख्य लक्षण गले में खराश, खांसी, जुकाम, तेज बुखार, थकान, जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों व बदन में दर्द, सिर और गले में दर्द, आंखें लाल होना है। सबसे अधिक मरीजों को तेज बुखार और थकान होने के कारण दिक्कत होती है दर्द इसलिए बढ़ता है। क्योंकि जब तेज बुखार होता है तो मरीज उसे क्षमता को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। मरीज को यही सलाह दी जा रही है कि सुरक्षित स्थानों पर रहे जहां जल भराव है वहां से दूर रहे सर्द का मौसम धीरे–धीरे शुरू हो गया है तो ऐसे में छतों पर ना सोए।

पिकअप की टक्कर से बालक की मौत, मां और चाचा घायल

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के परतावल–पनियरा मार्ग पर महदेवा चौराहे के पास गुरुवार दोपहर एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 4 वर्षीय शमद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां कमरजहां (30) और चाचा अकरम (18) गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पनियरा थाना क्षेत्र के भरमपुर गांव निवासी अकरम गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे अपनी चाची कमरजहां और भतीजे शमद के साथ परतावल से घर लौट रहे थे। वे परतावल इलाज कराने गए थे। जैसे ही वे महदेवा चौराहे से आगे बढ़े, सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी हीरो सुपर स्प्लेंडर बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने छोटे शमद को मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है कमरजहां और अकरम की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी रामानुज यादव ने बताया कि हादसे में शामिल पिकअप को कब्जे में ले लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने शक्ति चौपाल में सुनीं समस्याएं: उत्कृष्ट कार्य करने वाली लड़कियां सम्मानित

संवाददाता–गोण्डा। जिले में मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत बरवार समाज के उत्थान और महिलाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए अनूठी पहल करते हुए 'शक्ति चौपाल' का आयोजन किया गया है। सदर तहसील के दुल्हापुर बनाकट ग्राम पंचायत में आयोजित इस चौपाल में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, देवी पाटन रेंज के आईजी अमित पाठक, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत और मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन मौजूद रहे।

अधिकारियों ने महिलाओं और लड़कियों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही उनका समाधान किया। इस दौरान महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। बरवार जाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपना विकास करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी गई। शक्ति चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों को सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत पूरे जिले में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज बरवार समाज के लोगों के बीच यह कार्यक्रम हुआ, जहां महिलाओं से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई और उन्हें मजबूत व सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित किया गया। कई महिलाओं की समस्याओं का समाधान भी किया गया। देवी पाटन रेंज के आईजी अमित पाठक ने बताया कि इस चौपाल में सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि बरवार समाज के लोगों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जानकारी दी गई। साथ ही, समाज की महिलाओं और लड़कियों को महिला सुरक्षा और महिला हेल्पलाइन के बारे में भी विस्तार से बताया गया। एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत ने बताया कि हम लोग चाहते हैं जो नई जनरेशन है वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी बने, सुरक्षा स्वावलंबन की जो योजना है इसमें हमारी महिलाएं लड़कियां हैं और जो बच्चियां स्कूलों में पढ़ रही वह मजबूत बने। आगे निकल करके भी आए अपने समाज को मजबूत करें अपने परिवार को मजबूत करें अपने आप को मजबूत करें।

फंदे से लटकी मिली महिला की लाश

संवाददाता–श्रावस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला की मौत हो गई। जिसकी लाश को घर में बने टीनशेड में लटका पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोनवा थाना क्षेत्र के दूबकला निवासी क्रांति दूबी (50) पत्नी मुरलीधर बुधवार रात को खाना खाने के बाद सो गई। सुबह जब पति मुरलीधर सोकर उठे तो क्रांति का शव घर में बने टीनशेड में फांसी के फंदे से लटका पाया। शव देखते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। देखते ही देखते गांव के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों की ओर से घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

जीएसटी सुधार आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को करेगा साकार

संवाददाता–कुशीनगर। पूर्व राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू किए गए नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार करोड़ों भारतीयों के जीवन को आसान बनाने वाले परिवर्तनकारी कदम हैं।वे गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'घटी जीएसटी, मिला उपहार– आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' के तहत आयोजित विधानसभा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। आनंद स्वरूप शुक्ला ने कहा कि ये सुधार जीवन में आसानी, व्यापार में आसानी के 2025 के विजन को मूर्त रूप देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने सामान्य नागरिकों पर कर का बोझ कम करते हुए किसानों को सशक्त बनाया है और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देकर समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने बताया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) स्वतंत्रता के बाद से भारत का सबसे महत्वाकांक्षी अप्रत्यक्ष कर सुधार है। इसे 1 जुलाई 2017 को 'एक देश, एक कर, एक बाजार' के सिद्धांत पर लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य 17 करों और 13 उपकरों को मिलाकर एक समान प्रणाली बनाना था। पूर्व मंत्री ने कहा कि जीएसटी सुधार से सबसे बड़ा लाभ आम घरों को मिला है कि रोजमर्रा की वस्तुओं पर कर घटने से घरेलू खर्च आसान हुआ है। यह मोदी सरकार की जनता की भलाई और मध्यम वर्ग की चिंताओं को समझने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बेसिक शिक्षा विभाग की दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला : शैक्षिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग करें शिक्षक

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार की देखरेख में चल रहे बेसिक शिक्षा विभाग की दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला गुरुवार को संपन्न हुई। दूसरे दिन की कार्यशाला विकास भवन सभागार में आयोजित हुई। कार्यशाला में जिले के समस्त एआरपी को परिषदीय स्कूलों में बेहतर पठन–पाठन और निपुण भारत मिशन के बेहतर क्रियान्वयन के टिप्स दिए गए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को कहा इस दो दिवसीय ओरिएंटेशन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यक्रम में हुए बदलाव और संदर्शिका के प्रयोग तथा डिजिटल एप्लीकेशन के साथ–साथ विद्यालयों में उपलब्ध समस्त शैक्षिक संसाधनों का शत प्रतिशत प्रयोग करने में आप सभी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जिसकी मॉनिटरिंग जिला स्तर पर डाटा आधारित की जाएगी और स्थलीय निरीक्षण में संबंधित विद्यालयों की क्रास चेकिंग की जाएगी। एक टीम के रूप में हम सभी को विद्यालयों को निपुण बनाते हुए जनपद को निपुण बनाने के लिए कृत संकल्पित होना है।

कार्यशाला के संदर्भदाता प्रवक्ता अलीउद्दीन और इमरान तथा एसआरजी आशीष कुमार श्रीवास्तव और अंगद पाण्डेय ने विभिन्न चीजों के बारे में विस्तार से बताया। आशीष श्रीवास्तव ने गुणवत्ता एप प्रबंधन पर सत्र लेते हुए एनबीएमसी पोर्टल के उपयोग को गुणवत्ता संवर्धन में कैसे उपयोग किया जा सकता है प्रयोग प्रदर्शन करके बताया। समस्त एकेडमिक रिसोर्स पर्सन एनबीएमसी पोर्टल को खोलकर उत्तर का ऑब्जरवेशन किए और संदर्भदाता द्वारा एनबीएमसी के अलग–अलग बिंदुओं को क्लास वर्क टास्क के रूप में दिया गया। जिसका अच्छी समझ के साथ सभी ने जवाब दिया। इसी क्रम में शिक्षकों को सुपरविजन के दौरान फीडबैक देने के प्रयोग तरीके पर विस्तार से अपनी बात रखी। एसआरजी अंगद प्रसाद पाण्डेय ने ओरिएंटेशन सत्र में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण पर अपनी बात रखते हुए रिमेडियल पर विशेष जोर दिया। सहयोगात्मक पर्यवेक्षक में 40, 20, 40, 20 का परियोजना से निर्धारित समय के फंडे पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने शिक्षक डायरी भरने, मेंटर्स को फीडबैक भरने और उसके उपयोगिता को स्पष्ट किया।

कार्यशाला में मुख्य रूप से डीसी स्वप्निल श्रीवास्तव, दिव्यांश त्रिपाठी, आलोक, सेन्ट्रल स्क्वायर फाउंडेशन के कृतज्ञा, आदित्य, फैजान तथा रूम टू रीड से तस्नीम कौसर, एआरपी प्रदीप गुप्ता, सन्तोष शुक्ल, रवीश मिश्र, मनोज मिश्र, काशीराम, राजीव शुक्ल, संतोष तिवारी, राहुल उपाध्याय, अंकित सिंह, बब्बन पाण्डेय, अखण्ड सिंह, स्कन्द मिश्र, शिव नंदन मिश्र, आशीष दूबे, उमाशंकर पाण्डेय, मनीष, बालमुकुंद, आनन्द पाण्डेय, अखिलेश, ओंकार उपाध्याय, राहुल सिंह, विजय राव सहित जिले के समस्त एआरपी उपस्थित रहे।

भाजपा इलेवन टीम ने महिला सुरक्षा को लेकर कमिश्नर, डीएम को सौंपा पत्र

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भाजपा टीम इलेवन जनपद बस्ती ने गुरुवार को कमिश्नर और जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर जनपद के विभिन्न जिम सेंटरों में महिला सुरक्षा से जुड़ी गंभीर स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

टीम ने अपने पत्र में कहा है कि जनपद के अधिकांश जिम सेंटरों में महिलाएँ एवं युवतियाँ नियमित रूप से व्यायाम करने जाती हैं, लेकिन इन जिमों में पुरुष ट्रेनरों की अधिकता के कारण महिलाओं को असुविधा, असुरक्षा और अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ता है। कई स्थानों पर छेड़खानी, छिपकर वीडियो बनाने और ब्लैकमेलिंग जैसी घटनाओं की संभावना बनी रहती है, जो अत्यंत चिंताजनक है।

भाजपा इलेवन टीम ने मांग की है कि जनपद के सभी जिम सेंटरों की तत्काल जांच कराई जाए। जहाँ महिलाओं की उपस्थिति है, वहाँ महिला ट्रेनर की नियुक्ति अनिवार्य की जाए। जिन जिमों में महिला ट्रेनर नहीं हैं, उन्हें तत्काल प्रभाव से सीज किया जाए और उनका लाइसेंस निरस्त किया जाए। भविष्य में किसी भी जिम को संचालन की अनुमति तभी दी जाए जब वहाँ महिला ट्रेनर की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

महिला से संबंधित किसी अनुचित घटना पर जिम संचालक व जिम्मेदार व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। टीम ने कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं है। प्रशासन से अपेक्षा है कि इस गंभीर विषय पर शीघ्र ठोस कदम उठाए जाएँ।

ज्ञापन देने वालों में भाजपा टीम इलेवन के सदस्य सतेन्द्र सिंह भोलू, दिलीप पाण्डेय, अभिषेक कुमार, विद्यामणि सिंह, राजकुमार शुक्ल, सुनील सिंह, विनोद चौधरी, वरुण सिंह, तारक जायसवाल, पिन्टू सोनकर एवं प्रदीप निषाद शामिल रहे।

वोकल फॉर लोकल से विकसित होगा देश– विवेकानन्द मिश्र

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी बस्ती जिले द्वारा गुरुवार को भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने 25 सितम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक चलने वाले "आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान" की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को साकार करना है। अभियान का फोकस सामाजिक–आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्थानीय उद्योगों को सशक्त करना और नागरिक सहभागिता बढ़ाना रहेगा।

जिलाध्यक्ष श्री मिश्र ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले में विभिन्न चरणों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगेकृजिनमें प्रोफेशनल सम्मेलन, कॉलेज स्तरीय स्वदेशी संकल्प सेमिनार, जिला स्तरीय स्वदेशी मेला, महिला एवं युवा सम्मेलन, स्थानीय कारीगर सम्मेलन तथा आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा शामिल हैं।

अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को आत्मनिर्भरता के संकल्प से जोड़ना और शहर घर स्वदेशी, घर–घर स्वदेशीश की भावना को जन–जन तक पहुंचाना है। श्वोकल फॉर लोकलश के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, कारीगरों, स्ट्रीट वेंडरों, लघु उद्योगों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर हुआ था। इसके लिए प्रदेश, जिलों और मंडलों में अभियान समितियों का गठन किया गया है। वर्तमान में बूथ स्तर पर श्स्वदेशी संकल्प अभियानश और संकल्प–पत्र भरवाने का कार्य प्रगति पर है। आगामी कार्यक्रमों में वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को "आत्मनिर्भर भारत यूथ एम्बेसडर" बनाकर स्वदेशी उत्पादों के प्रचार से जोड़ा जाएगा। सरकारी योजनाओं जैसे मुद्रा, उज्ज्वला, स्टार्टअप इंडिया, कौशल विकास आदि की जानकारी देकर महिलाओं और युवाओं को सीधा लाभ पहुँचाया जाएगा।"आत्मनिर्भर भारत संकल्प सिग्नेचर वॉल" पर नागरिकों से 'मैं केवल स्वदेशी अपनाऊँगा' लिखवाकर हस्ताक्षर करवाए जाएंगे। स्थानीय व्यापारियों से "केवल स्वदेशी" उत्पाद बेचने का संकल्प पत्र भरवाया जाएगा और उन्हें प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। कॉलेजों में "स्वदेशी बनाम विदेशी" जैसे विषयों पर वाद–विवाद, निबंध, रील एवं ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।

अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 3 से 15 अक्टूबर तक जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अभियान को मीडिया में लॉन्च किया जाएगा। 9 से 18 अक्टूबर तक सभी प्रशासनिक जिलों में स्वदेशी मेला, आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा, पदयात्रा और घर–घर स्टिकर वितरण का आयोजन होगा।

16 से 30 अक्टूबर तक महिला एवं युवा सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें स्थानीय समूहों को जोड़कर सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं का प्रसार किया जाएगा। 1 से 15 नवंबर तक व्यापारी, लघु उद्योगी एवं प्रोफेशनल सम्मेलन होंगे, जो छोटे व्यवसायों और उद्योगों को प्रोत्साहन देंगे। इसके अतिरिक्त, 1 से 30 नवंबर तक युवाओं को रचनात्मक सहभागिता के लिए प्रेरित करने हेतु स्वदेशी रील्स प्रतियोगिता और स्वदेशी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

अंत में श्री मिश्र ने कहा कि "यह अभियान केवल सरकार का नहीं, बल्कि जन–जन का अभियान है। यदि हम सब 'वोकल फॉर लोकल' को जीवन का हिस्सा बना लें, तो 2047 तक विकसित भारत का सपना अवश्य साकार होगा।"

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्र और अमृत वर्मा, दिव्यांशु दुबे भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिवार संग किया प्रभु श्रीराम का दर्शन-पूजन

संवाददादा–अयोध्या। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रामनगरी के प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को परिवार से साथ श्रीरामलला की आरती उतारी। उन्होंने श्रीराम दरबार और मां दुर्गा के दर्शन करने के बाद कुबेर टीला पर देवाधिदेव महादेव का अभिषेक किया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपतराय ने उन्हें मंदिर परिसर का भ्रमण कराया और सभी जानकारी दी।

भारत की सांस्कृतिक राजधानी कही जाने वाली प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने परिवार संग प्रभु श्रीरामलला की आरती उतारी और श्रीराम दरबार व जगज्जननी मां दुर्गा के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने कुबेर टीला स्थित देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक भी किया।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपतराय ने वित्त मंत्री को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया और निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। निर्मला सीतारमण ने मंदिर के भव्य स्वरूप को देखकर आस्था और गर्व की भावना व्यक्त की। आरती के दौरान श्रीरामलला का दरबार भक्ति रस से सराबोर हो उठा। सरयू तट से आती मंद बयार और मंदिर प्रांगण में गूंजते भजनों ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया। वित्त मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन के बाद आरती में शामिल श्रद्धालुओं के साथ 'जय श्रीराम' का उद्घोष भी किया।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से वित्त मंत्री का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर की सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था और विकास योजनाओं पर भी चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और कृषि मंत्री व अयोध्या जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कार्यक्रम में भाग लिया।

एसडीएम के खिलाफ फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी, अधिवक्ताओं ने कार्रवाई की मांग उठाई

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवां तहसील के एसडीएम केशरी नंदन तिवारी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट डाले जाने से अधिवक्ताओं और समाजसेवियों में आक्रोश फैल गया है। गुरुवार को उन्होंने एसडीएम को संबोधित शिकायती पत्र देकर आरोपितों पर कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ताओं ने बताया कि नंदलाल मौर्य नाम से फेसबुक पर बनाई गई एक आईडी से एसडीएम केशरी नंदन तिवारी के खिलाफ लगातार अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। पोस्ट पर कुछ राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों ने भी समर्थन में टिप्पणी की है, जिससे माहौल बिगड़ने की आशंका है।

बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री अनिल तिवारी, भूपेंद्र त्रिपाठी, भूपेश त्रिपाठी, उमेश चंद्र त्रिपाठी, अभिषेक त्रिपाठी और अंब्रेश उपाध्याय सहित अन्य अधिवक्ताओं ने तीन लोगों को नामजद करते हुए थाने में लिखित शिकायत दी है। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस तरह की टिप्पणियां न केवल अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं, बल्कि समाज में वैमनस्यता भी फैलाती हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपितों के खिलाफ साइबर अपराध की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस एक पार्टी के नेता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T 202517140118091
वाद सं0– /21
धारा 116 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत–श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय (न्यायिक) हर्रैया जिला बस्ती

बाबूलाल
बनाम
शिवम् यादव आदि

1. शिवम् यादव 2. सत्यम् यादव नावालिगान पुत्रगण राम प्रवेश संरक्षक रामसुन्दर पुत्र जोखू साकिन सलहदीपुर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. राजकुमार 4. रामधनी पुत्रगण रामसुन्दर 5. श्यामराजी पत्नी रामसुन्दर 6. अमरनाथ 7. शेषनाथ पाठक पुत्रगण पूरन 8. श्रीमती चन्द्रावती देवी पत्नी गंगाराम 9. राममिलन पुत्र राजाराम 10. मु0 रामकली पत्नी सीताराम 12. अगनू पुत्रगण जोखू साकिन सलहदीपुर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 13. नन्दा 14. बाबूराम 15. गंगाराम पुत्रगण मानिक 16. शिवपूजन 17. सुखराम पुत्रगण झिनकान 18. रामदीन पुत्र माता प्रसाद 19. सुमन पत्नी केशवराम 20. सुभाष चन्द्र 21. साकिलराम 22. लवकुश पुत्रगण केशवराम 23. सूरज वर्मा 24. शुभम वर्मा पुत्रगण राममूरत 25. शीला वर्मा पुत्री राममूरत 26. श्रीमती रामदुलारी पत्नी राममूरत साकिनान मौजा सलहदीपुर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 27. अध्यक्ष ग्रम पंचायत सलहदीपुर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–10–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 09 माह 10 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T 202517140310292
अदालत–श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सदर बस्ती जिला बस्ती

श्रीमती चन्द्रावती देवी
बनाम
राधेश्याम आदि

1. राधेश्याम पुत्र धनपत ग्राम गोविन्दपुर 2. गिरिजेश 3. दुर्गेश 4. उमेश 5. चन्द्रेश पुत्रगण मनीराम ग्राम कराह पिठिया 6. हरिभजन पुत्र परदेशी ग्राम देव कुण्डा तप्पा जात कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–11–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 10 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

मस्जिद पर फिर लहराया आई लव मोहम्मद लिखा बैनर, वीडियो वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। एक बार फिर मस्जिद की दीवार पर आई लव मोहम्मद वाला बैनर लहराया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के छोटे काजीपुर स्थित मस्जिद की दीवार पर हरे रंग के कपड़े पर बने बैनर पर ई लव मोहम्मद के साथ कई भड़काऊ नारे भी लिखे थे। लिखा था कि खून का कतरा बहाएंगे, मौका पड़ा तो सिर कटाएंगे। बैनर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और बैनर को हटवाया। पुलिस ने मस्जिद के मुतवल्ली से पूछताछ भी की। उन्होंने बताया कि बच्चों ने यह हरकत की है। उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी और न ही यह पता कि बैनर कब लगाया गया।

पुलिस अब बैनर लगाने वालों की पहचान में जुटी है। छोटा काजीपुर क्षेत्र मिश्रित आबादी वाला संवेदनशील इलाका माना जाता है। बैनर लगने के बाद स्थानीय स्तर पर इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। खुफिया विभाग भी अलर्ट हो गया। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि इसके पीछे किसी संगठित समूह का हाथ तो नहीं है। कोतवाली थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया कि विवादित बैनर हटवा दिया गया है और पुलिस जांच कर रही है। इससे पहले चिलुआताल थाना क्षेत्र के नकहा नंबर एक, घोसीपुरवा में भी विवादित बैनर लगाने का मामला सामने आया था।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैनर हटवाया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों सिराजुल उर्फ मो. कैफ और मो. कादिर उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया था। दोनों को शांति भंग की धाराओं में चालान कर न्यायालय के आदेश पर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। यूपी में पिछले कुछ दिनों से आई लव मोहम्मद को लेकर अलग अलग जिलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों खासकर लड़कियों ने जुलूस निकालने और प्रदर्शन करने की कोशिश की है। कई लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेजा है। बरेली में तो इसे लेकर बड़ा बवाल हो गया। पुलिस और मुस्लिम समुदाय के लोगों में झड़प हुई। दर्जनों लोगों को जेल भेजा गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीलदार बस्ती जिला–बस्ती
कं0वाद सं0–T 2025171140311024
नं0मु0– 1988/2024

संध्या
बनाम
सन्तलाल

1. मोलहू पुत्र स्व0 भूलन ग्राम देवराव तप्पा देवराव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय भानपुर जिला–बस्ती
वाद सं0–323/2019

इन्द्रजीत आदि
बनाम
रामजीत आदि

1. रामनरेश उम्र करीब 50 साल पुत्र चानिका 2. सुरेश उम्र करीब 45 साल पुत्र स्व0 भानू 3. महेश उम्र करीब 40 साल पुत्र स्व0 भानू साकिनान मौजा सगरा तप्पा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 31–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 10 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–326/2024

घनश्याम
बनाम
श्रीमती श्वेता आदि

1. श्रीमती श्वेता शर्मा पत्नी डा0 शशिकान्त शर्मा निवासी ग्राम मनहनडीह जिला अस्पताल के सामने गोरखपुर रोड बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग
2. डा0 शशिकान्त शर्मा पुत्र गामा प्रसाद शर्मा निवासी ग्राम मनहनडीह जिला अस्पताल के सामने गोरखपुर रोड बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 26–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

करवाचौथ प्रतियोगिता का आयोजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

संतकबीरनगर । चित्रांश क्लब महिला विंग की जिलाध्यक्षा श्रीमती हिरोशिमा श्रीवास्तव द्वारा क्लब की महिला सदस्यों के साथ बैठक कर करवा चौथ व्रत की महिमा पर चर्चा किया गया। क्लब की अध्यक्षा ने कहा कि सनातन धर्म में करवा चौथ व्रत महिलाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है।इस व्रत में महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र की कामना करते हुए 24 घंटे का निर्जला व्रत तप करतीं हैं। बैठक में में मौजूद महिलाओं द्वारा करवाचौथ उत्सव में नाच गाने के साथ ही प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में श्रीमती अंजली श्रीवास्तव को करवाचौथ क्वीन बनाया गया, जिन्हें कि क्लब की अध्यक्षा द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में मुख्य रूप से डॉक्टर शिखा श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव , प्रीति श्रीवास्तव , चित्रा श्रीवास्तव, सिंधु लता , उषा श्रीवास्तव, उषा किरण श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, दीपाली श्रीवास्तव , कस्तूरी श्रीवास्तव, चांदनी श्रीवास्तव ,अर्चना श्रीवास्तव ,विनीत श्रीवास्तव के साथ ही चित्रांश क्लब के तमाम लोग मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–582/2017

अकबर अली
बनाम
चन्द्रभूषण

1/1 कौशल अली 1/2 गुलहसन पुत्रगण आशिक अली साकिना भरथापुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 11–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

आमी नदी में मिली लाश

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के मगहर में आमी नदी से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस्लामनगर निवासी जुबेर (50) पुत्र मो. उमर बुधवार को घर से मगरिब की नमाज पढ़ने के लिए निकले। जो काफी देर तक घर नहीं पहुंचे। जिन्हें परिवार के लोगों ने काफी तलाश किया। जिनका कहीं सुराग नहीं लगा। गुरुवार को मोहम्मदपुर कठार गांव के सीवान में आमी नदी में उतराती लाश ग्रामीणों ने देखी। इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में परिजनो ने शव की पहचान की।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com